फैंकलिन टेम्पलटन इंडिया ने शुरू किया 卐चेंज द सोच - कन्याकुमारी से कश्मीर ड्राइव卐 म्यूचुअल फंड निवेश के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए देशव्यापी अभियान

मुंबई, – फैंकलिन टेम्पलटन (इंडिया) ने आज ÷चेंज द सोच - कन्याकुमारी से कश्मीर ड्राइव÷ की शुरुआत की। यह अपनी तरह का पहला देशव्यापी अभियान है, जिसका उद्देश्य खास तौर पर महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। फैंकलिन टेम्पलटन के भारत में 30 साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित यह 30 दिनों की यात्रा देश के सबसे दक्षिणी सिरे कन्याकुमारी से शुरू होगी। यह यात्रा 21 शहरों से होते हुए जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में समाप्त होगी। इस अभियान के तहत आसान और संवाद करने लायक वित्तीय शिक्षा से जुड़े सत्र, विशेषज्ञों की जानकारी और समुदाय से जुड़ाव के माध्यम से लोगों को म्यूचुअल फंड निवेश को सरल भाषा में समझाया जाएगा, ताकि हजारों भारतीय अपने वित्तीय भविष्य की जिम्मेदारी खुद लेने का आत्मविश्वास पा सकें। फैंकलिन टेम्पलटन इंडिया के प्रेसिडेंट, अविनाश सत्वालेकर, खुद इस यात्रा का नेतृत्व करेंगे। इस देशव्यापी सफर के जरिए उनका मकसद हर वर्ग के लोगों को आर्थिक रूप से जोड़ना है। वे हर दूसरे दिन किसी नए शहर या गांव में रुकेंगे, जहां अलग-अलग समूहों की महिलाओं के लिए निवेशक शिक्षा कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। इन सत्र में बचत, निवेश और लंबे समय में संपत्ति बनाने के महत्व पर जोर दिया जाएगा, ताकि लोग अपने जीवन के लक्ष्यों को पूरा कर सकें। इस पहल में बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे, जिनमें ज्यादातर महिलाएं होंगी। इनमें शामिल हैं– किसान महिलाएं (मछुआरा समुदाय से लेकर अलग-अलग फसलें उगाने वाली), शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोग (छात्र, अभिभावक, स्कूल और कॉलेज के शिक्षक), स्वयं सहायता समूह (खाद्य और हथकरघा क्षेत्र में काम करने वाली महिलाएं), उद्यमी, निजी और सरकारी कर्मचारी, सेना, नौसेना और पुलिस कर्मी। इस पहल की शुरुआत पर फैंकलिन टेम्पलटन-इंडिया के प्रेसिडेंट अविनाश सत्वालेकर ने कहा कि, ÷महिलाओं में वित्तीय समझ भारत की लंबे समय की सामाजिक और आर्थिक प्रगति के लिए बहुत जरूरी है। शहरी इलाकों में कुछ अच्छी प्रगति हुई है, लेकिन भारत के टियर-2 और टियर-3 क्षेत्रों में आज भी लाखों महिलाएं ऐसी हैं, जिन्हें वित्तीय जानकारी और जरूरी साधनों तक पूरी पहुंच नहीं मिल पाई है।÷उन्होंने आगे कहा कि, ÷इस पहल के जरिए हम अलग-अलग पृष्ठभूमि की महिलाओं से जुड़ेंगे और उन्हें बचत, निवेश और डिजिटल वित्त को अपनाने के लिए जरूरी जानकारी और आत्मविश्वास देंगे।

तेजराम जी के नेत्रदान से दो व्यक्तियों के नेत्रों में बढ़ेगा तेज

उज्जैन। 910 वां नेत्रदान गांव धराड़ में श्री स्व. तेजराम जी सुपुत्र श्री स्व सिद्धनाथ जी पाटीदार,78 वर्ष,धराड़ तहसील जिला रतलाम का स्वर्गवास हो जाने पर सुपुत्र श्री बालमुकुंद जी सुपुत्र श्री स्व. तेजराम जी पाटीदार की नेत्रदान विषयक रुचि प्राप्त हो जाने पर सूचना -श्री रतनलाल जी पाटीदार,गांव धराड़ नेत्रम संस्था रतलाम को प्रेषित की गई जिस पर दि.19-01-2026 शाम 6-04 बजे गीता भवन न्यास समिति के नेत्रदान/देहदान प्रभारी डॉ.जी एल ददरवाल के मार्गदर्शन में टीम के मनीष जी तलाच,गीता भवन न्यास समिति,बड़नगर ने आपसी सामंजस्य से नेत्र उत्सर्जन का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न किया।गीता भवन न्यास समिति अध्यक्ष हरिकिशन मेलवानी ने पाटीदार परिवार के इस कल्याणकारी, लोकोपयोगी निर्णय की सराहना,अनुमोदना की है। 909 वां नेत्रदान सोमवार को महिदपुर में श्री सुरेशचंद्र जैन का हुआ था।

जीव दया मित्र मण्डल बेगम बाजार द्वारा कम्बल वितरण

जीव दया मित्र मण्डल बेगम बाजार द्वारा गोपाल गौशाला इब्राहिम पट्टनम एवं श्री रामचन्द्र जी डोगरेंजी महाराज गौशाला इंजापुर में गौशाला के कर्मचारियों में कम्बल वितरित किये गये ! इस अवसर पर गौशाला में गौ-सेवा की गयी! इस अवसर पर श्री गोपाल गौशाला के ट्रस्टी द्वारा जीव मित्र मण्डल की अध्यक्ष सरस्वती बाई राठी एवं कान्ता बाई काकड़ा को गौरव स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपस्थिति श्री गोपाल गौशाला के ट्रस्टी तुलसी राम बंसल, सतवीर गर्ग, अर्जुन कुमार गोयल, रमेश कुमार काबरा, रामचंदजी डोगरेजी महाराज गौशाला के ट्रस्टी जसमंत भाई पटेल - वसंत पटेल, रितिश जागीरदार,जीव दया मित्र मण्डल की अध्यक्ष सरस्वती बाई राठी ओमप्रकाश राठी, गोवर्धन राठी, कान्ता बाई कंठ तिवाड़ी , कान्ता बाई काकड़ा लीला देवी तोष्णीवाल, जय श्री सुदर्शन, मंगला देवी, पूजा बंग, शरद बंग, छाया राठी, सीए गोविन्द राठी मौजूद थे।

भाजपा महिला नैत्रियों ने दहन किया कांग्रेस विधायक फूलसिंह बरैया का पुतला

आष्टा। मध्यप्रदेश की भंडेर सीट से कांग्रेस विधायक फूलसिंह बरैया द्वारा महिलाओं के अपमान में दिए गए बयान के विरोध में भाजपा महिला मोर्चा द्वारा कॉलोनी चौराहा पर पुतला दहन किया गया। भाजपा जिला महामंत्री एवं पार्षद तारा कटारिया के नेतृत्व में आयोजित पुतला दहन में नपाध्यक्ष हेमकुंवर रायसिंह मेवाड़ा, भाजपा जिला महामंत्री एवं पार्षद तारा कटारिया, भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष ऋतु जैन, गिरजा कुशवाह, निर्मला कुशवाह, संध्या देवांग, अनिता ठाकरे, ऋषि ठाकरे के साथ ही पूर्व मार्केटिंग अध्यक्ष कृपालसिंह पटाड़ा, व्यापार महासभा अध्यक्ष रूपेश राठौर, दूलीचंद कुशवाह, आदि मौजूद थे। पुतला दहन कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं ने कहा कि कांग्रेस विधायक फूलसिंह बरैया ने न सिर्फ सनातन धर्म का अपमान किया है, बल्कि मानवता का भी अपमान किया है।

भारत में होने जा रही एआई समिट

इतिहास कभी ढोल बजाकर नहीं आता, वह चुपचाप दरवाज़ा खटखटाता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता–यानी एआई– आज वही दस्तक है। और इस बार दरवाज़ा भारत के हाथ में है। 15-20 फरवरी के बीच भारत में होने जा रही एआई समिट कोई सामान्य सम्मेलन नहीं, बल्कि भविष्य की प्रयोगशाला है, जहाँ सवाल भी होंगे, सपने भी, और डर भी। यह पहली बार है जब वैश्विक स्तर पर एआई इम्पैक्ट पर शिखर वार्ता का यह चरण भारत में आयोजित हो रहा है। सुनने में भव्य लगता है, पर ज़रा ठहरिए–भव्यता से ज्यादा ज़रूरी है विवेक।

अब ज़रा पीछे चलें। इससे पहले ऐसे तीन सम्मेलन हो चुके हैं–यूके, दक्षिण कोरिया और फ्रांस में। मतलब साफ है- दुनिया एआई को लेकर जाग चुकी है। लेकिन जागना और समझना दो अलग बातें हैं। भारत की मेज़बानी यह संकेत देती है कि अब भारत केवल टेक्नोलॉजी का उपभोक्ता नहीं, बल्कि नीति-निर्माता बनने की कतार में खड़ा है। क्क्रकहें तो–India is no longer just scrolling, itÒs starting to post. इस समिट का मूल उद्देश्य है–एआई के खतरों और प्रभावों को लेकर साझा समझ बनाना, जोखिमों से निपटने के लिए नियम तय करना और इस तकनीक पर वैश्विक सहमति बनाना। सुनने में सब बहुत संतुलित लगता है। लेकिन सवाल वही पुराना है–क्या हम सच में तैयार हैं, या बस जल्दी में हैं?

एआई के खतरे काल्पनिक नहीं हैं। यह कोई साइंस फिक्शन मूवी का विलेन नहीं, बल्कि बहुत रियल, बहुत प्रेज़ेंट खतरा है। एलन मस्क जैसे टेक दिग्गज जब कहते हैं कि एआई से सिम्युलेटेड दुनिया, मानसिक स्वास्थ्य संकट और भावनात्मक गिरावट जैसे खतरे पैदा हो सकते हैं, तो बात को हल्के में लेना समझदारी नहीं। उन्होंने अपनी कंपनी में ÷हेड ऑफ प्रिपेयर्डनेस÷ जैसा पद बनाया है–मतलब संकट की तैयारी अभी से। सवाल यह है कि क्या हमारी सामाजिक और शैक्षणिक संरचनाएँ भी इतनी ही सजग हैं?

एआई का सबसे चमकदार वादा है–उत्पादन और डिलीवरी लागत में कमी। यानी काम तेज़, सस्ता और सटीक। इंडस्ट्री खुश, कॉर्पोरेट मुस्कुराते हुए। लेकिन यहाँ एक कड़वा सच भी है–अगर इससे बेरोज़गारी बढ़ी, तो सामाजिक कीमत कौन चुकाएगा? तकनीक अगर रोज़गार खा जाए और इंसान को हाशिए पर धकेल दे, तो वह विकास नहीं, डिजिटल उपनिवेशवाद है। ज़द्दद्यद्य द्बह्ल द्यद्बद्यद्ग द्बह्ल द्बह्ल–ो फिल्टर।

भारत जैसे देश के लिए यह सवाल और भी गहरा है। हम वह देश हैं जहाँ जनसंख्या हमारी ताकत भी है और चुनौती भी। एआई का सबसे ज़्यादा लाभ वही देश उठा पाएँगे जिनके पास कुशल श्रमिक हैं। लेकिन अगर स्किल डेवलपमेंट की रफ्तार एआई की रफ्तार से पीछे रह गई, तो तस्वीर उलटी भी हो सकती है। दुनिया दौड़ रही है, और अगर हम चप्पल में दौड़ेंगे तो गिरेंगे ही। फिर भी, पूरी कहानी डर की नहीं है। भारत के पास एक अनोखा नैतिक और सांस्कृतिक पूंजी है। हमारी परंपरा ÷यंत्रवत नहीं, मानववत÷ सोच की रही है। भारत-केंद्रित शिक्षा पद्धति, सह-अस्तित्व का दर्शन, और ÷सर्वे भवन्तु सुखिन÷ की भावना–ये सब एआई गवर्नेंस के लिए वैश्विक मॉडल बन सकते हैं। सवाल है–क्या हम अपनी जड़ों पर खड़े होकर भविष्य को गढ़ेंगे, या पश्चिमी टेम्पलेट कॉपी-पेस्ट करेंगे? यह समिट भारत के लिए आत्मबोध का क्षण है। सिर्फ टेक्नोलॉजी की बात नहीं, बल्कि नीति, नैतिकता और मानवता की बात है। एआई को लेकर नियम बनाने में देर हुई, तो कंपनियाँ नियम बना देंगी– और वो नियम मुनाफ़े के होंगे, मानवता के नहीं। Skeptical रहना ज़रूरी है, क्योंकि हर चमकती चीज़ सोना नहीं होती, और हर स्मार्ट मशीन समझदार नहीं होती। शिक्षा के क्षेत्र में एआई क्राति ला सकता है– पर्सनलाइज्ड लर्निंग, त्वरित मूल्यांकन, भाषा अनुवाद। लेकिन अगर शिक्षक को ही अप्रासंगिक बना दिया गया, तो शिक्षा सिर्फ सूचना बनकर रह जाएगी, संस्कार नहीं। भारत की शिक्षा प्रणाली का मूल हमेशा गुरु-शिष्य परंपरा रहा है। एआई सहायक बने, प्रतिस्थापक नहीं– यह रेखा खींचनी होगी। अंत में, यह समिट एक सवाल छोड़ती है–क्या हम एआई को नियंत्रित करेंगे, या एआई हमें? भविष्य किसी एक सम्मेलन से तय नहीं होगा, लेकिन दिशा ज़रूर तय हो सकती है। भारत अगर इस मंच से संतुलित, मानवीय और समावेशी एआई विज़न दुनिया को दे पाया, तो यह केवल तकनीकी जीत नहीं, सभ्यतागत योगदान होगा। कहें तो–Future loading है। Buffering में ही सही, पर direction सही होनी चाहिए। परंपरा को साथ लेकर, सवाल पूछते हुए, और बिना डर के–लेकिन बिना आँख बंद किए भी नहीं। यही भारत की असली एआई गेमिंग हो सकती है।

आनंद मोहन मिश्र, विवेकानंद केंद्र विद्यालय जयरामपुर चांगलांग जनपद अरुणाचल प्रदेश दूरभाष - 9436870174

टेंशन चौराहा पर बना रहता है हमेशा कोई न कोई टेंशन

महिदपुर।जवाहर डोसी पीयूष। टेंशन चौराहा %यथा नाम तथा गुण% हर कभी, कहीं ना कहीं,कोई ना कोई,टेंशन देता ही रहता है।पिछले पूरे वर्ष के क्रियाकलापों का चिह्न यदि खोला जाए तो यहां सदा-सर्वदा कुछ न कुछ टेंशन बनी ही रहती है।कोई ना कोई टेंशन पैदा होता है और उसका समाधान करने के लिए यहां कुछ भी खोदा- पीटी जारी ही रहती है।तत्कालीन समाधान असरकारक न होकर फिर वही समस्या सामने आ जाती है और यह बहुतेरे प्रयास करने के बाद भी स्थाई समाधान का परिणाम नहीं ले पाती।चित्र में प्रदर्शित नाले के ऊपर का ढक्का हुआ हिस्सा काफी लंबी दूर तक का टूट कर किस तरह बेतरतीबी से पड़ा हुआ है कि आने-जाने वालों का सिर दर्द बना रहता है।यह नाली ना जाने कितनी बार जगह-जगह से टूट कर जनता का मुंह चिढ़ा रही है कि देख लीजिए,आपके पैसे का कितना सदुपयोग हो रहा है या दुरुपयोग!

और बात यहीं पर खत्म नहीं हो रही।इसके साथ ही देख लीजिए,एक बिजली का खंबा बार-बार जगह परिवर्तित करके लगाया गया है।उसके बाद भी व्यवस्थित रूप से न लगाए जाने से पुनः एक गड्ढा खोदा हुआ है जिसमें इसको फिर से लगाने की जुगत लगाई जाना तयशुदा है।यहां ऐसी स्थिति भी कई बार बन चुकी है। दोनों मामलों में ऐसा लगता है कि कोई धनी ढोरी ही नहीं यह,काश कोई इसका मर्म समझ पाए।दोनों चित्र घटनाक्रम के अनुसार अपनी दुर्दशा की कहानी सहज-सरल रूप से बयां कर रहे हैं।काश,कोई जनता जनार्दन को इस तनाव एवं समस्या से स्थाई मुक्ति दिलाने की दिशा में अपने सकारात्मक प्रयास करे।अब तो बहुत हो चुका,हर किसी के बर्दाश्त से भी बाहर है।जिसकी जो मन में आए ताम-झाम करके अपना दायित्व औपचारिकता से निभाकर चला जाता है और फिर भी वही %ढाक के तीन पात%।जनता टुकुर-टुकुर इस व्यवस्था को बारंबार देखते हुए नहीं सुधरती व्यवस्था के लिए टापती रहती है।संबंधित जवाबदारों को अब गंभीरता पूर्वक इन सभी बार-बार-लगातार हो रही अव्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए कोई स्थाई समाधान खोजना चाहिए,जनता को इसी की अपेक्षा है।सचमच बहुत ही दर्द भरी कहानी है

पटवारी को निलंबन का नोटिस, तहसीलदार सुवालिया व तहसीलदार पचोर को कारण बताओ नोटिस जारी करने दिए निर्देश

राजगढ़। जिले के आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी समाधान हेतु कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा द्वारा 'संवाद से समाधान' कार्यक्रम की अभिनव पहल शुरू की गई है। यह कार्यक्रम प्रत्येक मंगलवार को जनसुनवाई से पूर्व आयोजित का जाता है। इसमें विभागीय अधिकारी, कर्मचारी और शिकायतकर्ता आमने-सामने बैठकर शिकायतों का समाधान करते हैं। इस सप्ताहराजस्व विभाग से संबंधित 5 शिकायतों की समीक्षा की गई है। कलेक्टर डॉ. मिश्रा स्वयं प्रत्येक शिकायत को व्यक्तिगत रूप से सुन कर मौके पर ही उसका समाधान सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया।

यह पहल न केवल अधिकारियों में जवाबदेही स्थापित कर रही है, बल्कि आम नागरिकों और जिला प्रशासन के बीच सीधा संवाद भी स्थापित कर रही है। 'संवाद से समाधान' ने आमजन के बीच प्रशासन के प्रति विश्वास और पारदर्शिता को और मजबूत किया है। मंगलवार को आयोजित संवाद से समाधान कार्यक्रम में शिकायतकर्ता श्री दुर्गाप्रसाद वर्मा द्वारा बताया गया कि आवेदक शम्भूलाल पिता धन्नाकजी ने दो वर्ष पूर्व अभिलेख दुरस्तीग के लिए आवेदन किया था, परन्तुश आज दिनांक तक उनके अभिलेख में सुधार नहीं किया गया। जिससे आवेदक को काफी समस्याश हो रही हैं। कलेक्टअर ने शिकायत की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम राजगढ़ से चर्चा की। चर्चा में बताया गया कि उक्त् प्रकरण अपील में है। उकद सर्वे नंबर का खसरा नहीं होने से जांच में समस्यात आ रही है। कलेक्टर र ने एक माह में प्रकरण का निराकरण करने के निर्देश दिए। शिकायतकर्ता श्री चैनसिंह द्वारा बताया गया कि ग्राम सींगापुरा नेठावठी तहसील सुवालिया में कुल रकबा उनका 8 बीघा भूमि है। सात माह पूर्व तहसील कार्यालय में आवेदन किया था, परन्तुल आज दिनांक तक खसरे में नकल आनलाईन अपडेशन नहीं की गई हैं।

म.प्र.श्रमजीवी पत्रकार संघ जिलाध्यक्ष डॉ. राहुल कटारिया एवं महासचिव डॉ.घनश्याम शर्मा के बनने पर दी बधाई

महिदपुर।जवाहर डोसी पीयूष प्रदेश में पत्रकारों के अधिकार,सम्मान और सुरक्षा की लड़ाई को मजबूती से आगे बढ़ा रहे ट्रेड यूनियन से पंजीकृत सबसे बड़े संगठन मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ भोपाल ने उज्जैन जिले में जिलाध्यक्ष के तौर पर डॉ.राहुल कटारिया वहीं पत्रकार डॉ. घनश्याम शर्मा को जिला महासचिव के रूप में नियुक्ति प्रदान की है।संघ के प्रांतीय महासचिव सत्यनारायण वैष्णव ने प्रांतीय कार्यालय भोपाल से जारी आधिकारिक आदेश में,उज्जैन जिले में यह नियुक्ति संघ के प्रांताध्यक्ष शलभ भदौरिया द्वारा की गई है। संघ ने विश्वास व्यक्त किया है कि नवनियुक्त जिलाध्यक्ष डॉ.राहुल कटारिया के नेतृत्व में उज्जैन जिले के पत्रकारों के मान-सम्मान, स्वाभिमान,सुरक्षा एवं अधिकारों की रक्षा के लिए संगठन पूरी मजबूती से कार्य करेगा तथा संगठन को नई दिशा और ऊर्जा प्राप्त होगी।उक्त नियुक्ति पर जिला अध्यक्ष डॉ. राहुल कटारिया व महासचिव घनश्याम शर्मा ने संघ के शीर्ष नेतृत्व प्रांताध्यक्ष शलभ भदौरिया सहित सभी वरिष्ठ साथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे पत्रकारों के सम्मान,सुरक्षा और अधिकारों के लिए पूरी निष्ठा,ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेंगे और शीघ्र ही जिले में संगठनात्मक विस्तार करेंगे।इस नियुक्ति से जिले के पत्रकारों में हर्ष और उत्साह का माहौल है।महिदपुर इकाई के वरिष्ठ सदस्य जवाहर डोसी पीयूष,अरुण बुरड़,अर्जुनसिंह ठाकुर,नरेश शर्मा,संजय राय,मांगीलाल कुमावत,राजकुमार काबरा,दिनेश वर्मा, अनंत शर्मा,रामेश्वर मालवीय,आशुतोष छजलानी,लोकेश सूर्यवंशी,कुशाल ठाकुर, इमरान अली,कमल बोहरा,जितेंद्र जैन,राज कछवाय,राहुल सोलंकी,जितेश उथरा, मोहनलाल हेड़ा,पारस चौरड़िया,राहुल पोरवाल,जितेंद्रसिंह राजपूत,कन्हैयालाल सूर्यवंशी,कपिल शर्मा,संदीप वर्मा,दिनेश डाबी,राहुल कुमावत,सुरेश डाबी,किशोर कुमावत,प्रदीप पांचाल,अब्दुल मजीद मंसूरी, ईश्वरसिंह,श्यामसुंदर राठौर,अनुनय काबरा, आयुष मालवीय,अनवर मंसूरी आदि सदस्यों ने बधाई प्रेषित की।

आष्टा के लिए गौरव का क्षण – श्री खाटू श्याम बाबा के भव्य मंदिर निर्माण को मिली नई दिशा

आष्टा। नगर के लिए यह अत्यंत गौरव और आस्था का विषय है कि कलयुग के आराध्य देव श्री खाटू श्याम बाबा का भव्य मंदिर आष्टा में आकार ले रहा है। काजीखेड़ी रोड, न्यू बायपास पर सांवरियां गमला उद्योग के समीप स्थित श्री खाटू श्याम विहार कॉलोनी में बाबा श्याम के भव्य मंदिर का निर्माण कार्य प्रगति पर है। मंदिर निर्माण के सुचारु संचालन एवं भावी व्यवस्थाओं को लेकर मंदिर निर्माण समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से आष्टा के वरिष्ठ समाजसेवी अनोखीलाल खंडेलवाल के सुपुत्र विजय खंडेलवाल को निर्माण समिति एवं ट्रस्ट समिति का अध्यक्ष चुना गया। जैसे ही यह घोषणा हुई, उपस्थित श्रद्धालुओं एवं समिति सदस्यों ने हर्ष व्यक्त करते हुए तालियों के साथ उनका स्वागत किया। इस अवसर पर नगर के गणमान्य नागरिकों एवं श्रद्धालुओं ने विजय खंडेलवाल को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी और विश्वास दिलाया कि समस्त आष्टावासी तन-मन-धन से सहयोग कर शीघ्र ही श्री खाटू श्याम बाबा के भव्य मंदिर का निर्माण पूर्ण कराएंगे। साथ ही यह भी संकल्प लिया गया कि मंदिर निर्माण पूर्ण होने पर गाजे-बाजे के साथ बाबा श्याम का भव्य नगर आगमन कराया जाएगा। बैठक में समिति सदस्य मनोज सोनी (नाना), हंसू सोनी, विजय सोनी (खंडवा), सुशील विश्वकर्मा, अमन मेवाड़ा, हर्ष राठौर (जय दुर्गों), कालू सोनी, नरेंद्र मेहता, प्रसिद्ध भजन गायक अमोद जैन (आनंद), प्रकाश नायक, कज्जय टेलर, जे.पी. नायक, अजय नायक, लालू सोनी, पप्पू सोनी सहित अन्य समिति सदस्य एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। बैठक के अंत में सभी सदस्यों ने बाबा श्याम से मंदिर निर्माण कार्य निर्विघ्न एवं शीघ्र पूर्ण होने की कामना की। यह मंदिर न केवल आस्था का केंद्र बनेगा, बल्कि आष्टा की धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान को भी नई ऊंचाई प्रदान करेगा।

बजाज पुणे ग्रैंड टूर 2026: रोमांचक स्टेज 1 में मुलशी-मावल पर ल्यूक मडगवे की जीत

पुणे, 20 जनवरी 2026: बजाज पुणे ग्रैंड टूर 2026 की शुरुआत मंगलवार को हुई। पहला स्टेज मुलशी-मावल माइल्स था, जो हिंजवडी के पास टीसीएस सर्कल से शुरू हुआ। 87.2 किलोमीटर लंबे इस स्टेज में घास के मैदान, पहाड़ी रास्ते और पानी के सुंदर दृश्य शामिल थे। यह स्टेज शुरू से ही काफी मुश्किल और तेज़ रहा।

रेस के अंत में चीन की ली निंग स्टार टीम के ल्यूक मडगवे ने शानदार स्प्रिंट लगाते हुए 02:00:21 के समय के साथ जीत हासिल की। एस्टोनिया की क्विक प्रो टीम के अंद्रेयस माटिल्डास 02:00:27 के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि बेल्जियम के योरबेन लॉरिसेन (02:00:30) तीसरे नंबर पर रहे।

ष्टद्ब के नियमों के अनुसार, शीर्ष तीन सवारों को क्रमशः 10, 6 और 4 सेकंड का टाइम बोनस मिला। मडगवे को मिले 10 सेकंड आगे के स्टेज में बहुत अहम साबित हो सकते हैं। मडगवे ने कहा कि रेस की शुरुआत बहुत तेज़ थी और पहली चढ़ाई पर आगे बने रहना बेहद ज़रूरी था। उन्होंने कहा, ÷शुरुआत से ही रफ्तार बहुत तेज़ थी। मैं आगे ही बना रहा। चढ़ाई के बाद रेस कई ग्रुप में बंट गई। मेरे दो साथी मेरे साथ थे, जिनकी मदद से मैं फिनिश तक जीत दर्ज कर सका।÷ उन्होंने सबसे मुश्किल हिस्से के बारे में बताया,÷पहली चढ़ाई के बाद का उतराई वाला हिस्सा बहुत खड़ा और तकनीकी था। वहीं रेस में फर्क पड़ा और हमें बढ़त मिली।÷ रेस की शुरुआत में जॉर्जियोस बुग्लास ने पहला इंटरमीडिएट स्प्रिंट जीता। उनके बाद नीदरलैंड्स के टामार स्पिएरो और भारत के विशवजीत सिंह रहे। पहले स्प्रिंट के कुछ ही देर बाद, दूसरे समूह में हादसा होने के कारण रेस को करीब 23 मिनट के लिए रोकना पड़ा। ष्टद्ब अधिकारियों और मेडिकल टीम ने तुरंत सभी सवारों की जांच की और सुरक्षा के बाद रेस दोबारा शुरू की गई। चढ़ाई वाले हिस्सों में कई हमले देखने को मिले। फ्रांस के किलियन लापेंने पहले किंग ऑफ द माउंटेन पॉइंट हासिल किए। वहीं ली निंग स्टार के क्रिस्टियन रेलानु ने सभी चढ़ाइयों पर अच्छा प्रदर्शन करते हुए पोल्का डॉट जर्सी जीती। अन्य श्रेणियों में, स्पेन की टीम बर्गोस बर्पेलेट ब्बा के जंबालिजाम्प्स सैनबायर को बेस्ट एशियन राइडर के लिए ऑरेंज जर्सी मिली। टामार स्पिएरो को बेस्ट यंग राइडर के रूप में व्हाइट जर्सी और भारतीय टीम के हर्षवीर सिंह सेखों को बेस्ट इंडियन राइडर के लिए ब्लू जर्सी दी गई। अब सभी की नज़र स्टेज 2 - मराठा हेरिटेज सर्किट पर है। यह स्टेज 105.3 किलोमीटर लंबा होगा और इसमें 1,051 मीटर की कठिन चढ़ाई शामिल है। पुरंदर किला, सिंहगढ़ और खड़कवासला झील से होकर गुजरने वाला यह स्टेज राइडर्स की ताकत और सहनशक्ति की कड़ी परीक्षा लेगा। स्टेज 1 - नतीजे-

पोडियम- पहलाः ल्यूक मडगवे (ली निंग स्टार, चीन) - 02:00:21, दूसराः अंद्रेयस माटिल्डास (क्विक प्रो टीम, एस्टोनिया) - 02:00:27 तीसराः योरबेन लॉरिसेन (टार्टेलेटो-इसोरेक्स, बेल्जियम) - 02:00:30

स्टेज 1 के बाद जर्सी लीडर्स- येलो जर्सीः ल्यूक मडगवे ग्रीन जर्सीः ल्यूक मडगवे - 22 अंक पोल्का डॉट जर्सीः क्रिस्टियन रेलानु - 5 अंक ऑरेंज जर्सीः जंबालिजाम्प्स सैनबायर व्हाइट जर्सीः टामार स्पिएरो ब्लू जर्सीः हर्षवीर सिंह सेखों

दो परिवारों के नेत्रदान से चार नेत्रहीनों को मिलेगा नवजीवन

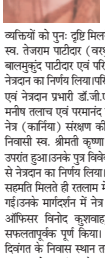

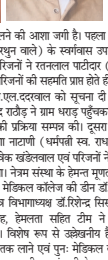

उज्जैन जिला ब्यूरो प्रमुख। जवाहर डोसी पीयूष नेत्रदान के क्षेत्र में जनजागरूकता और सेवा भावना से प्रेरित संस्थाओं के सतत प्रयासों से रतलाम जिले में दो नेत्रदान सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए।इन पुनीत कार्यों से चार दृष्टिहीन व्यक्तियों को पुनः दृष्टि मिलने की आशा जगी है। पहला नेत्रदान ग्राम धराड़ निवासी स्व. तेजराम पाटीदार (बरथुन वाले) के स्वर्गवास उपरांत सम्पन्न हुआ।उनके पुत्र बालमुकुंद पाटीदार एवं परिजनों ने रतनलाल पाटीदार (धराड़ वाले) की प्रेरणा से नेत्रदान का निर्णय लिया।परिजनों की सहमति प्राप्त होते ही गीता भवन न्यास के ट्रस्टी एवं नेत्रदान प्रभारी डॉ.जी.एल.ददरवाल को सूचना दी गई।उनकी टीम के सदस्य मनीष तलाच एवं परमानंद राठौड़ ने ग्राम धराड़ पहुँचकर पूरी श्रद्धा एवं विधिपूर्वक नेत्र (कार्निया) संरक्षण की प्रक्रिया सम्पन्न की। दूसरा नेत्रदान वेदव्यास कॉलोनी निवासी स्व. श्रीमती कृष्णा नाटाणी (धर्मपत्नी स्व. राधावल्लभ नाटाणी) के निधन उपरांत हुआ।उनके पुत्र विवेक खंडेलवाल एवं परिजनों ने अनुरूप सोमानी की प्रेरणा से नेत्रदान का निर्णय लिया। नेत्रम संस्था के हेमन्त मूणत ने बताया कि परिजनों की सहमति मिलते ही रतलाम मेडिकल कॉलेज की डीन डॉ.अनीता मुथा को सूचना दी गई।उनके मार्गदर्शन में नेत्र विभागाध्यक्ष डॉ.रिशेन्द्र सिसोदिया के नेतृत्व में नॉसिंग ऑफिसर विनोद कुशवाह, हेमलता सहित टीम ने नेत्रदान की प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूर्ण किया। विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि नेत्रदान हेतु टीम को दिवंगत के निवास स्थान तक लाने एवं पुनः मेडिकल कॉलेज पहुँचाने की सम्पूर्ण व्यवस्था नेत्रम संस्था के सदस्य शीतल भंसाली के सहयोग से की गई। नेत्रदान के दौरान ओमप्रकाश, रतनलाल, पुरुषोत्तम, शंकरलाल, ईश्वरलाल, दिलीप पाटीदार, राजेश, योगेश गेलड़ा, शीतल भंसाली, नवनीत मेहता, शलभ अग्रवाल, ओमप्रकाश अग्रवाल, सुशील मीनू माथुर, भगवान ढलवानी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। नेत्रम संस्था द्वारा दोनों परोपकारी परिवारों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा उनके मानवीय योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया गया।इस अवसर पर देहदान एवं नेत्रदान की महत्ता पर जोर देते हुए जनजागरूकता अभियान को और अधिक गति देने का संकल्प दोहराया गया।